THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI MAKHAN LAL FOTEDAR): (a) Representations have been received from small scale industries organisations and others regarding shortage of pig iron.

The production of pig iron during the year 1988-89 is estimated to be 13.5 lakh tonnes. The total demand of the country for pig iron during 1988-89 is 16.7 lakh tonnes of which the demand of the small scale sector is approximately 6.5 lakh tonnes.

(b) No complaints have been received by SAIL about the distribution of imported pig iron. The material being imported is suitable for use by the foundary units of India.

(c) With the commissioning of the Visakhapatnam Steel Plant during 1989 the availability position of pig iron is expected to improve.

खाद्य तेलों का आयात

346. श्री अजीत जोगी :
श्री पृथ्वी माझी :

क्या **खाद्य और नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार तिलहनों की अच्छी फसल होने के कारण खाद्य तेलों के मूल्यों में आई कमी को देखते हुए खाद्य तेलों के आयात के मामले पर पुनःविचार करने का विचार रखती है ;

(ख) क्या खाद्य तेलों के आयात की मात्रा में कोई कमी की जा रही है ; और

(ग) क्या सरकार का ध्यान इस तथ्य की ओर दिलाया गया है कि यदि खाद्य तेलों का आयात कम नहीं किया गया और खाद्य तेलों के मूल्यों को और कम होने से रोका नहीं गया तो किसानों को अपनी उपज अर्थात तिलहनों के बहुत कम दाम मिलेंगे और इसका आने वाले वर्षों में तिलहनों के उत्पादन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा ?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में उप मंत्री (**श्री डी० एल० बैठा**) : (क) से (ग) सरकार द्वारा आयात किए जाने वाले खाद्य तेलों की मात्रा का निर्णय विभिन्न बातों, जैसे उनकी मांग व आपूर्ति के बीच अंतर, अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य, विदेशी मुद्रा की उपलब्धता तथा अन्य संबंधित घटकों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर किया जाता है । इस समय देशीय खाद्य तेलों के आसानी से उपलब्ध होने तथा उनके मूल्यों में नरमी को ध्यान में रखते हुए आयात की मात्रा में कमी कर दी गई है और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के जरिए आयातित खाद्य तेलों के आवंटन में उपयुक्त तौर पर कमी कर दी गई है। इसके अलावा, वनस्पति उद्योग को रियायती दरों पर आयातित खाद्य तेलों की आपूर्ति को 1–12–1988 से स्थगित कर दिया गया है, ताकि देशीय तेलों को अधिक मात्रा में उठाया जाए । इसके अलावा, सरकार ने खाद्य तेलों के मूल्यों में गिरावट को रोकने के लिए अनेक उपाय किए हैं जैसे तिलहनों खाद्य तेलों की स्टाक सीमाओं में छूट देना, वनस्पति के उत्पादन में अप्रधान तथा गैर-पारम्परिक तेलों के प्रयोग के लिए वित्तीय प्रोत्साहन देना, वनस्पति के उत्पादन में विलायक निष्कासित तथा एक्सपेलर मूंगफली / तिल के तेल का प्रयोग करना तिलहनों/खाद्य तेलों के लिए ऋण सीमाओं में छूट देना आदि ।

Resignations of scientists of IARI

347 SHRIMATI RATAN KUMARI:

DR. RATNAKAR PANDEY:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that nearly 300 scientists of Indian Agricultural Research Institute have tendered their resignations from the faculty, deciding not to teach or give any guidance to students; as reported in the Hindustan Times of December 29, 1988; and

(b) if so, the details thereof?